गाणपति देवा, सुन लो युकार विनती करूँ, बस रुक बार बस रुक बार, बस रुक बार सुन लो मेरे, करतार आजाः ॥॥॥ गाणपति देवा अ

ओ ज्ञान दातां- ज्ञा विद्याता तुझसे नाता- बड़े व्यार का सब ना करूंगा, इंलजार आआ।।।।।।।

सबके गम पे, उगँख नम पे तेरे दूम पे 'श्री गबा श्री"गरने सपने करो, स्याकार ऽऽऽऽऽऽ।।।2॥ गणपीत देवा----

गाणपाति बच्या मोर्या, जबभी पुकारूँ जल्ही आ-गणपति बप्पाइङ्ङ मोर्याङः जबभी पुकाँद्र जल्दी आ॥२॥ जब भी पुकार्द्ध इडडडंडा जन्द्री आ जब भी पुकार्दे डडडडड जल्दी उपा जल्दी उपा बप्पां जल्दी आ-जल्दी आबप्पां जल्दी आ गाणपति बया मार्या-जब भी पुकार्द्र जन्ही आ जनभी पुकार्दे अन्तर जल्दी आ जब भी पुकार डश्डार जल्ही उना वप्पा मार्था ५५० वप्पा मोर्था वप्पा मोर्था ऽऽऽऽ वप्पा मोर्था गणपील बप्पा मोरया ः जब भी प्रकारं जल्दीआ गणपति बप्पा ses मोरथा- नब भी पुकारं जल्दी आ जाजापीत्र वापा